

राज्य सरकार के कार्यकाल तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी-'आपका विश्वास हमारा प्रयास'

पीएचईडी की स्टॉल पर 'नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना' का मॉडल बना आकर्षण का केन्द्र

नीली-लाल-हरे रंग से रोशन पम्पिंग स्टेशन नेटवर्क, 'हर घर जल' गांव एवं रिजर्वायर भी करीने से उकेरे

जयपुर, 19 दिसम्बर। राज्य सरकार के कार्यकाल तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जवाहर कला केन्द्र में आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 'आपका विश्वास हमारा प्रयास' में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) की स्टॉल पर लगाया गया 'नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना' का मॉडल आगंतुकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। प्रदर्शनी देखने पहुंच रहे इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा, स्कूली विद्यार्थी, बच्चे और अलग-अलग आयु वर्ग के लोग पीएचईडी की स्टॉल पर लगे इस मॉडल को देखकर विभाग की वृहद पेयजल परियोजनाओं के तहत पेयजल वितरण तंत्र और तकनीकी नेटवर्क के बारे में जानकारी लेने में खूब रुचि ले रहे हैं। आगंतुक उत्सुकता के साथ इस मॉडल का अवलोकन करने के साथ ही इसके फोटो व वीडियो भी अपने मोबाइल में कैद रहे हैं। अपने अभिभावकों के साथ प्रदर्शनी में आने वाले कई नन्हे-मुन्ने बच्चे भी जब पीएचईडी की स्टॉल पर पहुंचते हैं तो मॉडल को देख बरबस ही बाल सुलभ जिज्ञासा के साथ अपने मम्मी-पापा या दादा-दादी से पूछ बैठते हैं, 'ये क्या है?' तो वे अपने नौनिहालों को इसके बारे में बताते हैं। स्टॉल पर मौजूद जलदाय विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा भी मॉडल के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित 'आपका विश्वास हमारा प्रयास' चार दिवसीय प्रदर्शनी (18 से 21 दिसम्बर) का शुभारम्भ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने

शनिवार को किया। मुख्यमंत्री श्री गहलोत एवं जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी द्वारा पीएचईडी की स्टॉल के अवलोकन के दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत एवं अन्य अधिकारियों ने इस मॉडल के माध्यम से नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण के पेयजल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के बारे में अवगत कराया। इसी परियोजना के पांच पैकेज के कार्यों का लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा गत दिवस मुख्यमंत्री निवास से किया गया। नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना-प्रथम चरण (लागत-1194 करोड़ रुपये) में 494 गांवों एवं 5 शहरों में 12.85 लाख एवं नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना-द्वितीय चरण (लागत-2938 करोड़ रुपये) में 986 गांव एवं 7 शहरों में 23.25 लाख की आबादी को लाभान्वित करते हुए सवा लाख से अधिक परिवारों को 'हर घर जल' कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इस लिफ्ट प्रोजेक्ट के माध्यम से नागौर जिले में फ्लोराईड युक्त एवं खारे पानी की समस्या का सामना कर रही बड़ी आबादी को इंदिरा गांधी नहर से पेयजल सुलभ कराते हुए लाभान्वित किया गया है।

नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना के इस मॉडल में आईजीएनपी (इंदिरा गांधी कैनाल प्रोजेक्ट) के पानी को नागौर जिले में लाकर गांव एवं ढाणियों में हजारों परिवारों को 'हर घर जल' कनेक्शन की सौगात देने की सफलता की कहानी को बयां किया गया है। विभाग की ओर से इस महत्वाकांक्षी पेयजल प्रोजेक्ट के बारे में सम्पूर्ण जानकारी देने वाले ब्रोशर का भी वितरण किया जा रहा है। इस आकर्षक मॉडल में दर्शाया गया है कि प्रोजेक्ट के तहत नागौर जिले के अलग-अलग स्थानों पर बनाए गए 68 पम्पिंग स्टेशन्स, 12000 किलोमीटर पाइप लाइन एवं 433 उच्च जलाशयों सहित परियोजना के सम्पूर्ण नेटवर्क से कैसे—कैसे जिले के विभिन्न कस्बों व तहसीलों तक पानी पहुँच रहा है। मॉडल में नागौर लिफ्ट पेयजल परियोजना-प्रथम चरण के नेटवर्क को नीले एवं द्वितीय चरण के नेटवर्क को लाल रंग की पाइपलाइन से दिखाया गया है। वहीं

अलग- अलग पम्पिंग स्टेशन नीले, लाल एवं हरे रंग के छोटे— छोटे बल्ब से रोशन है। मॉडल में बीकानेर जिले में देशनोक के पास नोखा दैया में बने 5400 एमएलडी व 4800 एमएलडी क्षमता के दो रिजर्वायर, 275 एवं 74 एमएलडी क्षमता के जल परिशोधन संयंत्र से निकलकर पम्पिंग स्टेशनों के नेटवर्क के जरिए नागौर जिले के 1486 ग्राम व 12 शहरों तक इंदिरा गांधी नहर से पहुंच रहे शुद्ध पेयजल के वितरण तंत्र को दिखाया गया है। परियोजना से संबंधित विभिन्न आकड़ें भी मॉडल में दर्शाये गए हैं। इसी मॉडल में एक कार्नर में 'हर घर जल' कनेक्शन से लाभान्वित गांव का प्रतिरूप भी बनाया गया है। इसमें उच्च जलाशय, वितरण पाइप लाइन, 'हर घर में लगे नल' सहित, सार्वजनिक नल एवं पशु खेली को भी प्रदर्शित है। यह मॉडल मुख्य अभियंता, पीएमसी-नागौर श्री दिनेश गोयल द्वारा बनवाकर प्रदर्शित किया गया है। मॉडल अधिशासी अभियंताओं श्री जे के चारण एवं श्री अब्दुल गनी की देख रेख में तैयार किया गया है। स्टॉल पर आने वाले लोगों को प्रोजेक्ट के तहत मकराना में पदस्थापित अधिशासी अभियंता श्री दिनेश गुप्ता और उनके सहायक श्री अमित चतुर्वेदी द्वारा जानकारी मुहैया कराई जा रही है



